पैगंबर 5

Published by the Comic Bible Society, LLC
Copyright © 2021

Kingstone Comics maintains copyright to this comic book as provided by United States copyright law.

Print and digital copies of this version may be freely distributed without penalty under a Creative Commons license.

जकर्याह
जकर्याह का जन्म बेबीलोन में हुआ था।
यरूशलेम में लौटनेवाले नर्िवासतिों में से एक के रूप में वह अपने दादा, इद्दो, के साथ हो लयिा था।
जकर्याह एक याजक बन गया।
परंपरा के अनुसार वह एक बहुत बड़े आराधनालय का सदस्य था, 120 शासक प्राचीनों का एक परषिद, जो नहेम्याह द्वारा स्थापति की गई और एज्रा द्वारा देख-रेख की गई थी, जसि बाद में महासभा कहा जाता था।
अपने समकालीन–भवषि्यद्वक्ता हाग्गै की तरह–उसे परमेश्वर द्वारा उन नर्िवासतिों से बात करने के लएि नयिुक्त कयिा गया था, जो वादा कएि गए देश में लौट आए थे।

उसने अपने लोगों को एक स्पष्ट संदेश दयिा।
सर्वशक्तमिान प्रभु तुम्हारे पूर्वजों से बहुत क्रोधति था।
लेकनि यदि तुम उसकी ओर लौटोगे तो वह तुम पर अनुग्रह करेगा।
तुम्हारे पूर्वज और उनके भवषि्यद्वक्ताओं बहुत पहले मर चुके है, लेकनि उन्होंने यह सीखा कपिरमेश्वर का वचन चरिस्थाई है!
भवषि्यवाणी कएि गए दण्ड सही नकिले। फरि अंत में उन्होंने पश्चाताप करते हुए कहा था, “हमें वही मलिा जसिके हम लायक थे।”
अपने पूर्वजों के समान मत बनो!
“प्रभु परमेश्वर ने कहा, मेरे पास लौट आओ।” लेकनि उन्होंने नहीं सुना; उन्होंने बल्कुिल ध्यान नहीं दयिा।
परमेश्वर ने जकर्याह को भवषि्य के वषिय में एक ही रात में आठ दर्शन दएि।
कुछ अंश पूरे हो गए हैं - लेकनि इनमें से बहुत यीशु मसीह के दूसरे आगमन का इंतजार कर रहे हैं।

स्वामी, ये सभी घोड़े कसि लिए हैं?
प्रभु ने उन्हें पृथ्वी पर गश्त लगाने के लिए भेजा है।
सर्वशक्तिमान प्रभु ने घोषणा की है कि इस्राएल के शहर फिर से समृद्धि के साथ भर जाएँगे।
प्रभु फिर से यरूशलेम को शान्ति देगा और उसे आशीषित करेगा और उसमें रहेगा।
ये क्या हैं?
ये चार सींग चार विश्व शक्तियों को दर्शाते हैं, जिन्होंने यहूदा, इस्राएल और यरुशलेम को तितर-बितर कर दिया था।
ये पुरुष क्या करने आए हैं?
वे चारों सींगों को पकड़ने आए हैं, और उन्हें निहाई पर रखकर चूर-चूर करने और उन्हें मार कर फेंकने के लिए आए है जिसने यहूदा को बुरी तरह से तितर-बितर किया।

दर्शन जारी रहा....
तू कहाँ जा रहा है?
यरूशलेम को मापने के लिए - यह देखने के लिए कि क्या यह सभी लोगों के लिए बड़ा और पर्याप्त है!
जा उस युवा पुरुष से कह कि एक दिन यरुशलेम इतने लोगों से भर जाएगा कि उस में सब लोगों के लिए पर्याप्त जगह नहीं बचेगी!
प्रभु के सामने, समस्त मनुष्य जाति, शांत हो जाओ, क्योंकि वह अपने पवित्र-स्थान स्वर्ग से पृथ्वी पर आ रहा है।
तुझ शैतान को प्रभु डांटता है।
क्या यह व्यक्ति आग में से निकाली गई जलती हुई लकड़ी के समान नहीं है?
देख, मैंने तेरे पापों को दूर कर दिया है, और अब मैं तुझे नए शुद्ध वस्त्र दे रहा हूँ।
कृपा उसके सिर पर एक शुद्ध पगड़ी रख।
हे यहोशू महायाजक, और तुम सब याजकों, मेरी सुनो; तुम आनेवाली अच्छी चीजों के चित्रण हो।
शाखा [1], तुम मेरे सेवक को दर्शाते हो, जिसे मैं भेजूँगा।
मैं इस देश के पापों को एक ही दिन में दूर कर दूँगा। [2]
[1] मसीहा।
[2] यीशु मसीह क्रूस की मृत्यु के द्वारा, एक ही दिन में दुनिया के पापों को उठा लेगा।

इसका क्या अर्थ है?
परमेश्वर का यह संदेश जरुब्बाबेल के लिए है: “प्रभु कहता है, “न तो बल से, न शक्ति से, लेकिन मेरी आत्मा के द्वारा।” “तुम मेरी आत्मा के कारण सफल होंगे।”
“जरुब्बाबेल परमेश्वर की दया के लिए धन्यवाद के जयकारों के साथ मंदिर का निर्माण कार्य पूरा करेगा।”
तू क्या देखता है?
एक उड़ता हुआ हस्तलेख! यह लगभग तीस फीट लंबा और पंद्रह फीट चौड़ा दिखाई देता है!
यह संपूर्ण देश के ऊपर परमेश्वर के शाप के वचनों का वर्णन करता है।
इसमें कहा गया है कि चोरी करनेवाले और झूठ बोलनेवाले सभी का न्याय किया गया और मृत्यु दण्ड दिया गया।

यह क्या है?
यह एक पैंतालीस लीटर माप वाली टोकरी है जो पूरे देश में हर जगह प्रचलित पाप से भरी हुई है।
वह दुष्टता को प्रकट करती है।
वे उसे कहाँ ले जा रही हैं?
बेबीलोन को जहाँ वे टोकरी के लिए एक मंदिर का निर्माण करेंगी - इसकी पूजा करने के लिए!
और ये क्या है, स्वामी?
ये चार स्वर्गीय आत्माएँ हैं जो सम्पूर्ण पृथ्वी के प्रभु के सामने खड़े रहते हैं; वे अपना काम करने जा रहे हैं।
तब प्रभु ने मुझे बुलाया और कहा, “जो उत्तर दिशा की ओर गए हैं उन्होंने मेरी दण्ड की आज्ञा के अनुसार पालन किया और मेरे गुस्से को शांत किया।”

बेबीलोन में निर्वासित यहूदियों से हेल्दै, तोबियाह और यदायाह चाँदी और सोने के उपहार लाएँगे। उनसे योशियाह के घर पर मिले।
उनके उपहारों को ले लेना और उनसे एक मुकुट बनाकर यहोशू महायाजक के सिर पर रखना।
उसे बताना कि सर्वशक्तिमान प्रभु कहता है, “तू उस व्यक्ति का प्रतीक होगा जो आनेवाला है, जिसका नाम, ‘शाखा’ है, [1] जो प्रभु के मंदिर का निर्माण करेगा।”
[1] आनेवाले मसीहा की एक उपाधि।
शाही उपाधि उसकी है। वह राजा और याजक के रूप में दोनों के बीच पूर्ण तालमेल के साथ शासन करेगा!
फिर मुकुट को प्रभु के मंदिर में रखो, उन्हें सम्मानित करने के लिए जिन्होंने इसको दिया था— हेल्दै, योशियाह, तोबियाह, यदायाह और योशियाह को भी।
ये तीनों जो इतनी दूर से आए हैं, उन लोगों को दर्शाते है जो किसी दिन दूर के देशों से प्रभु के मंदिर के पुनर्निर्माण के लिए आएँगे।
जब ऐसा होगा, तो तुम जान लोगे कि मेरे संदेश परमेश्वर, सर्वशक्तिमान प्रभु के हैं।
लेकिन इसमें से कुछ भी तब तक नहीं होगा जब तक कि तुम मन लगाकर प्रभु अपने परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन नहीं करोगे।

अपने 70 साल के निर्वासन के दौरान, यहूदियों ने दो उपवास रखे थे।
वे भविष्यवक्ता से पूछताछ करते रहे कि क्या उन्हें जारी रखना चाहिए।
उसने उन्हें परमेश्वर का जबाव दिया.....
प्रभु पूछता है, "क्या उन 70 वर्षों के निर्वासन और उपवास के दौरान तुम अपने पाप को छोड़ने और मेरे पास लौटने के लिए गंभीर थे?"
"जब यरूशलेम समृद्ध था तो भविष्यद्वक्ताओं ने चेतावनी दी थी कि यह दृष्टिकोण बर्बादी की ओर ले जाएगा – और यह निश्चित रूप से होगा।"
"ईमानदार और निष्पक्ष रहो। घूस न लो। सभी के प्रति दयालु और नम्र बनो। विधवाओं और अनाथों, विदेशी और गरीब लोगों पर अत्याचार करना बंद करो। एक-दूसरे के विरुद्ध बुरी साजिशें करना बंद करो।"
"तुम्हारे पूर्वजों ने इस संदेश को सुनना ना चाहा। वे हठपूर्वक पीछे हट गए और प्रभु की बात न सुनने के लिए अपनी उंगलियों को अपने कानों में डाल लिया।"
"यही कारण है कि इस तरह का बड़ा क्रोध उन पर आ पड़ा।"

जकर्याह 7:1-14

“सर्वशक्तिमान प्रभु कहता है,” मैं यरूशलेम के शत्रुओं ने जो किया है उससे मैं बहुत क्रोधित हूँ।”
“हमात शहर नष्ट हो जाएगा। सोर को पृथ्वी पर से जला दिया जाएगा।” [1]
“पलिश्ती यह देखकर डर से भर जाएँगे।”
“... और मैं उन्हें दूर रखूँगा; कोई भी विदिशी अत्याचार करनेवाले फिर से मेरे लोगों के देश पर कब्जा नहीं करेंगे। [2]
[1] सोर को उसके 150 ‘फुट ऊँची दीवारों के कारण अजय माना जाता था। लेकिन सिकन्दर महान ने सोर के लिए एक सेतु मार्ग बनाया और सोर को सात महीनों में नष्ट कर दिया।
[2] सिकंदर महान दो बार यरुशलेम से होकर आया परन्तु दोनों बार कोई नुकसान नहीं पहुँचाया।
“लेकिन हे मेरे लोगों, आनन्दित हो! क्योंकि देखो—तुम्हारा राजा आ रहा है!”
“वह एक धर्मी और विजियी है!”
“लेकिन वह दीन है, गधे के बच्चे पर सवार होकर आ रहा है!” [3]
[3] मसीह ने एक गदहे के बच्चे के ऊपर बैठकर यरूशलेम में प्रवेश किया।
प्रभु कहता है, “मैं यहूदा और इस्राएल को मजबूत करूँगा; मैं उन्हें पुनःस्थापित करूँगा क्योंकि मैं उनसे प्रेम करता हूँ।”
“मैं अपने लोगों को अपनी सामर्थ्य के साथ मजबूत बनाऊँगा!”
“और तू, हे लबानोन– आग तेरे देवदारों को भस्म कर देगी!”

फरि प्रभु मेरे परमेश्वर ने मुझसे कहा, “वध के लिए हष्ट-पुष्ट की जानेवली भेड़ों के झुण्ड के चरवाहे के रूप में नौकरी कर ले।”
उनके चरवाहे उन्हें नहीं छोड़ते - मैं सबको उनके पड़ोसी और उनके राजा को सौंप दूँगा। [1]
[1] जब उन्होंने परमेश्वर को उनके सच्चे चरवाहे के रूप में अस्वीकार कयिा, तो उन्हें उनके रोमी “पड़ोसयिों” और उनके “राजा” कैसर को दे दयिा गया था।
तो मैंने दो चरवाहे की लाठयिों को लयिा, एक का नाम कृपा और दूसरी का एकता रखा, और मैंने झुण्ड को खलिाया जैसा कि मुझे बताया गया था।
और मैंने एक ही महीने में उनके तीन दुष्ट चरवाहों से छुटकारा पाया। [2]
[2] याजकों, प्राचीनों और शास्त्रयिों के तीनों कार्यालयों को कुछ ही समय में हटा दयिा गया।
और मैंने अपनी लाठी को लयिा जसि कृपा कहता था और दो भाग में तोड़ दयिा, यह दखिाते हुए कि मैंने उनकी अगुवाई करने और उनकी रक्षा करने के लिए अपनी प्रतज्ञिा को तोड़ दयिा है। [3]
[3] परमेश्वर उनकी अनाज्ञाकारतिा के कारण उनकी सुरक्षा और देखभाल के वषिय मूसा सम्बन्धी वाचा को हटा रहा था।

“और मैंने उनके अगुवों से कहा, यदि तुम चाहो, तो मुझे मेरी मजदूरी दे दो, जिसके भी मैं योग्य हूँ; पर केवल तुम चाहो तो ही।’”
“इसलिए, उन्होंने मेरी मजदूरी के रूप में तीस छोटे चाँदी के सिक्कों को गिना।” [1]
[1] यहूदा ने 30 चाँदी के टुकड़ों के लिए यीशु मसीह को धोखा दिया।
“और प्रभु ने मुझसे कहा, इनका उपयोग, मिट्टी के बर्तनों को बनानेवालों से एक खेत [2] खरीदने के लिए करना— यह शानदार राशि जो उन्होंने तुम्हारा लगाया है!” [3]
“इसलिए, मैंने तीस सिक्के लिए और उन्हें मिट्टी के बर्तन बनानेवालों के लिए मंदिर में फेंक दिया।” [4]
[2] यहूदी अगुवों ने चाँदी के 30 टुकड़ों को लेकर एक खेत खरीदा।
[3] यीशु का मूल्य एक सामान्य दास के समान दिया गया था।
[4] उसके कामों के कारण दुखी होकर, यहूदा ने चाँदी के 30 सिक्के मंदिर में फेंक दिए।
“तब मैंने अपनी दूसरी लाठी, एकता को यह दिखाने के लिए तोड दिया कि यहूदा और इस्राएल के बीच एकता का बंधन टूट गया।” [5]
[5] मसीह को अस्वीकार करने के कारण, विभिन्न समुदायों के आंतरिक मतभेदों ने यहूदी को यहूदी के ही विरुद्ध खड़ा कर दिया।
मैं इस देश में एक ऐसा चरवाहा दूँगा जो मरनेवालों या कम-उम्र की परवाह नहीं करेगा। वह मोटी-ताजी खा जाएगा, यहाँ तक कि उनके पैरों को भी फाड़ डालेगा। [6]
[6] क्योंकि यिहूदियों ने अच्छे चरवाहे को अस्वीकार किया, तो उन्हें मूर्ख चरवाहा मिला। मसीह-विरोधी उनकी परवाह नहीं करेगा बल्कि उन पर हमला करेगा।

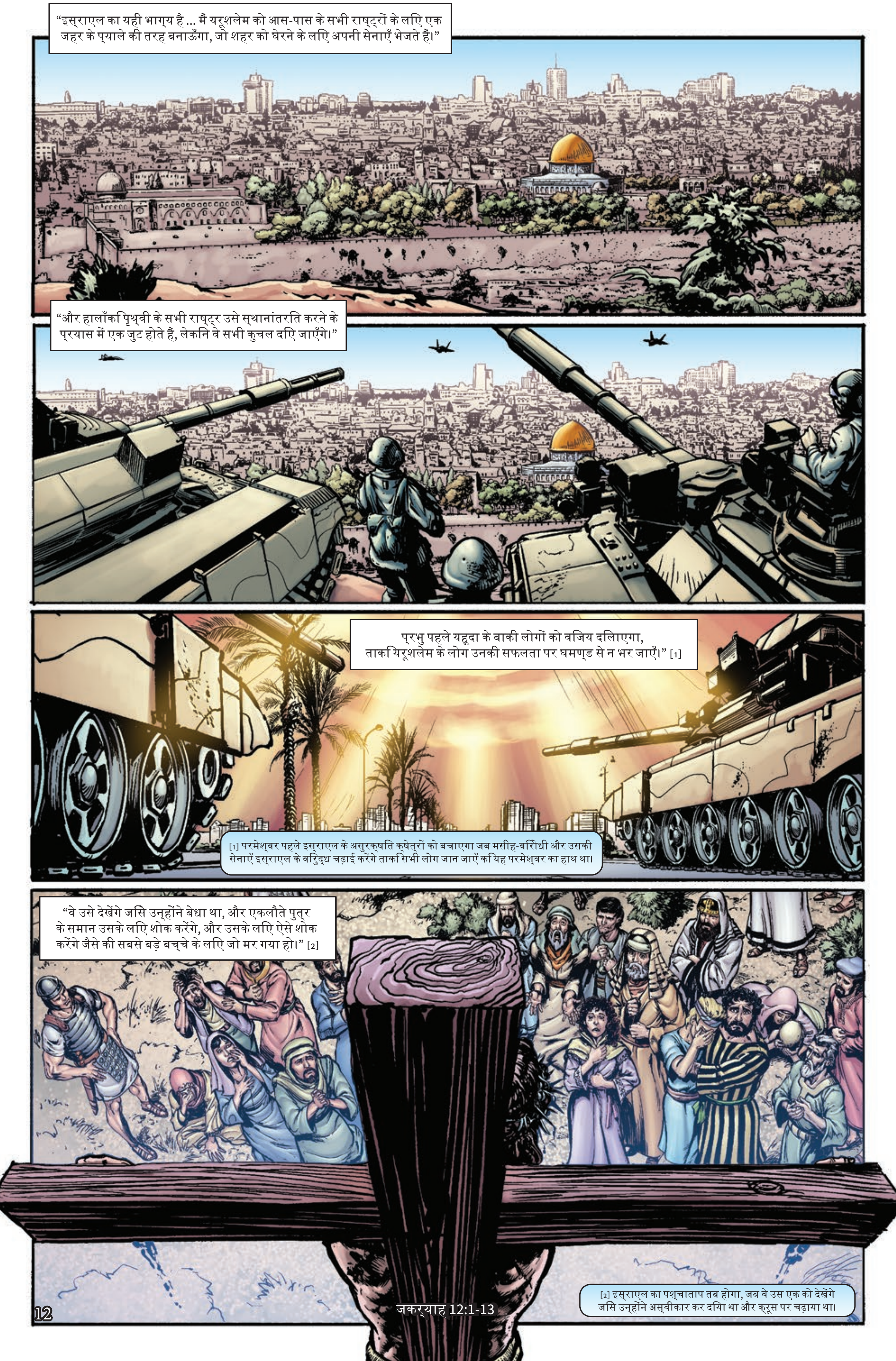
“इस्राएल का यही भाग्य है ... मैं यरूशलेम को आस-पास के सभी राष्ट्रों के लिए एक जहर के प्याले की तरह बनाऊँगा, जो शहर को घेरने के लिए अपनी सेनाएँ भेजते हैं।”
“और हालाँकि पृथ्वी के सभी राष्ट्र उसे स्थानांतरति करने के प्रयास में एक जुट होते हैं, लेकनि वे सभी कुचल दिए जाएँगे।”
प्रभु पहले यहूदा के बाकी लोगों को वजिय दलिाएगा, ताकि यिरूशलेम के लोग उनकी सफलता पर घमण्ड से न भर जाएँ।” [1]
[1] परमेश्वर पहले इस्राएल के असुरक्षति क्षेत्रों को बचाएगा जब मसीह-वरिोधी और उसकी सेनाएँ इस्राएल के वरिुद्ध चढ़ाई करेंगे ताकि सभी लोग जान जाएँ कि यिह परमेश्वर का हाथ था।
“वे उसे देखेंगे जसि उन्होंने बेधा था, और एकलौते पुत्र के समान उसके लिए शोक करेंगे, और उसके लिए ऐसे शोक करेंगे जैसे की सबसे बड़े बच्चे के लिए जो मर गया हो।” [2]
[2] इस्राएल का पश्चाताप तब होगा, जब वे उस एक को देखेंगे जसि उन्होंने अस्वीकार कर दयिा था और क्रूस पर चढ़ाया था।
जकर्याह 12:1-13

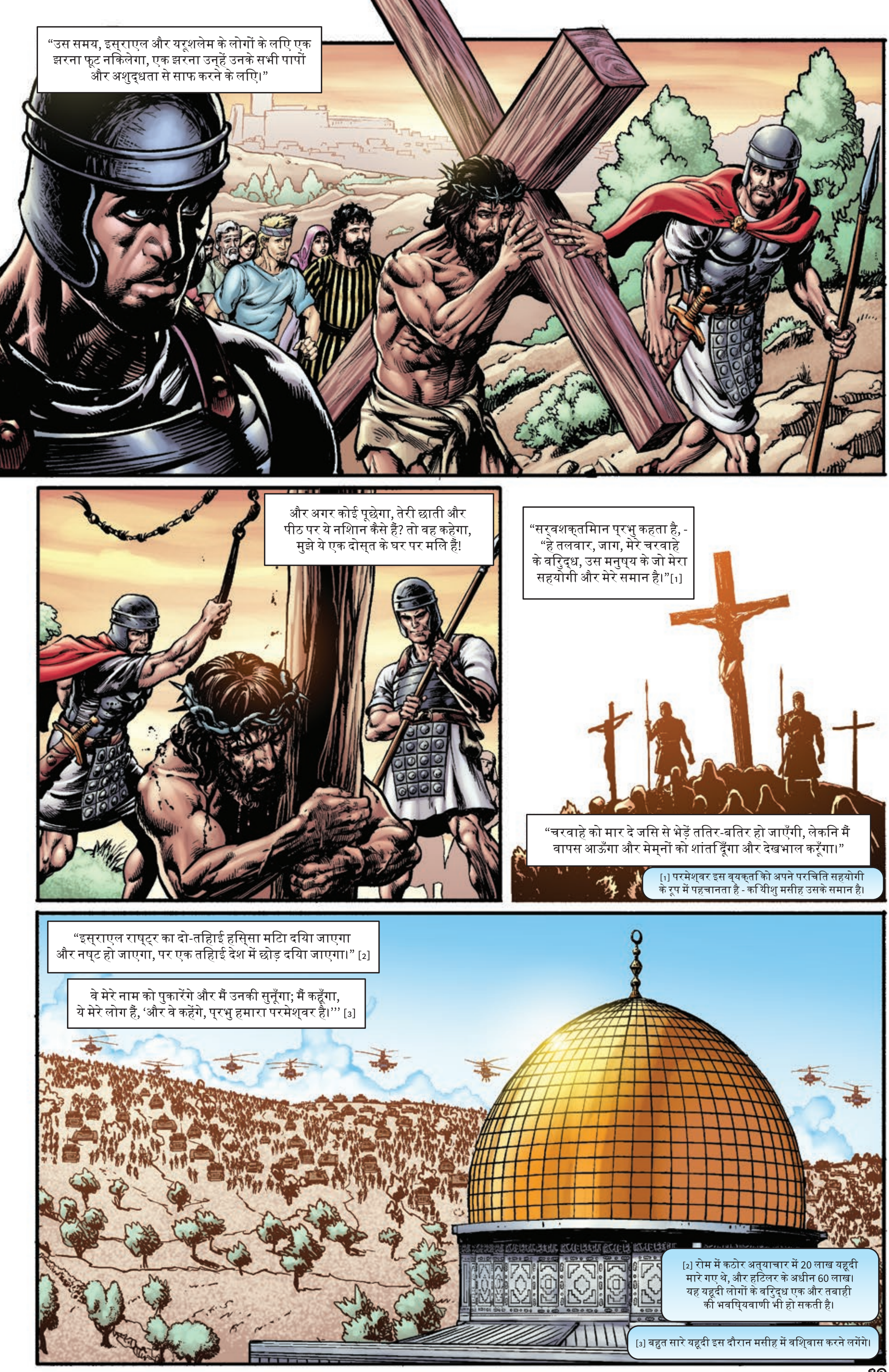
“उस समय, इस्राएल और यरूशलेम के लोगों के लिए एक झरना फूट निकलेगा, एक झरना उन्हें उनके सभी पापों और अशुद्धता से साफ करने के लिए।”
और अगर कोई पूछेगा, तेरी छाती और पीठ पर ये निशान कैसे हैं? तो वह कहेगा, मुझे ये एक दोस्त के घर पर मिले हैं!
“सर्वशक्तिमान प्रभु कहता है, - “हे तलवार, जाग, मेरे चरवाहे के विरुद्ध, उस मनुष्य के जो मेरा सहयोगी और मेरे समान है।”[1]
“चरवाहे को मार दे जिस से भेड़ें तितर-बितर हो जाएँगी, लेकिन मैं वापस आऊँगा और मेम्नों को शांत दूँगा और देखभाल करूँगा।”
[1] परमेश्वर इस व्यक्ति को अपने परिचित सहयोगी के रूप में पहचानता है - कि यीशु मसीह उसके समान है।
“इस्राएल राष्ट्र का दो-तिहाई हिस्सा मिटा दिया जाएगा और नष्ट हो जाएगा, पर एक तिहाई देश में छोड़ दिया जाएगा।” [2]
वे मेरे नाम को पुकारेंगे और मैं उनकी सुनूँगा; मैं कहूँगा, ये मेरे लोग हैं, ‘और वे कहेंगे, प्रभु हमारा परमेश्वर है।’” [3]
[2] रोम में कठोर अत्याचार में 20 लाख यहूदी मारे गए थे, और हिटलर के अधीन 60 लाख। यह यहूदी लोगों के विरुद्ध एक और तबाही की भविष्यवाणी भी हो सकती है।
[3] बहुत सारे यहूदी इस दौरान मसीह में विश्वास करने लगेंगे।

"उस दनि, प्रभु यरूशलेम से लड़ाई करने के लिए राष्ट्रों को एक साथ इकट्ठा करेगा।
"उस दनि वह अपने पाँव जैतून पहाड़ पर रखेगा – और वह दो टुकड़े हो जाएगा, जसिसे पूर्व से पश्चमि तक एक बहुत चौड़ी घाटी बन जाएगी।"
"तुम उस घाटी से नकिलकर बच जाओगे।" [1]
"और यहोवा उन सभी लोगों पर एक महामारी भेजेगा, जो यरूशलेम से लड़े थे।"
[1] परमेश्वर यहूदी लोगों के लिए अलौककि रूप से बचाने का एक रास्ता प्रदान करेगा।
वे चलती-फरिती लाशों की तरह हो जाएँगे, उनका मांस सड़ जाएगा; उनकी आँखें उनकी नेत्रगुहा में ही सूख जाएँगी, और उनकी जीभ मुँह में ही सड़-गल जाएगी।" [2]
"वे एक दूसरे के वरिुद्ध लड़ेंगे और वही महामारी उनके जानवरों पर हमला करेगी।"
[2] चाहे वह परमाणु, रासायनकि युद्ध या दैवीय आपदा हो – इस्राएल के शत्रु वहीं नष्ट हो जाएँगे जहाँ वे मौजूद होंगे।

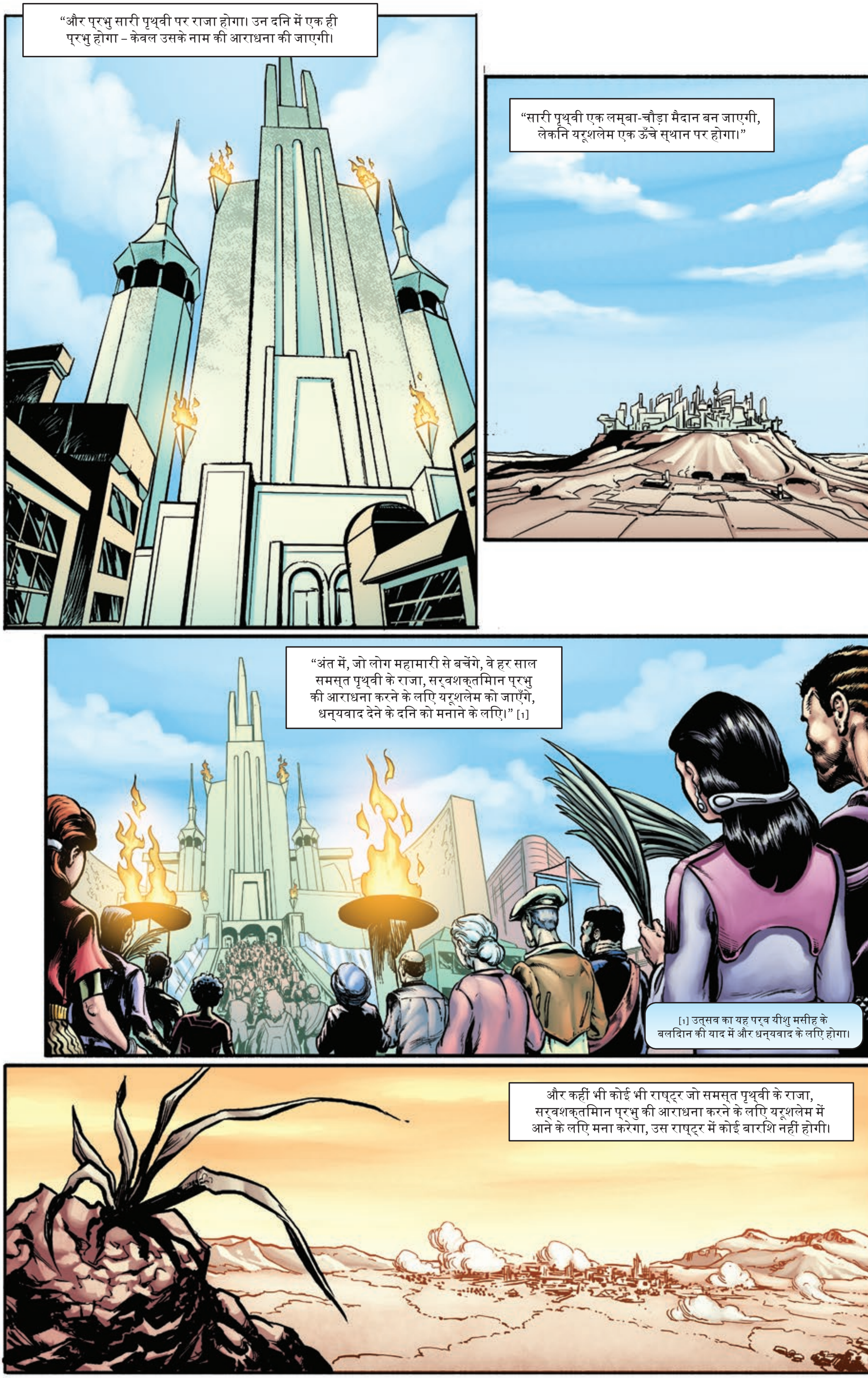
“और प्रभु सारी पृथ्वी पर राजा होगा। उन दनि में एक ही प्रभु होगा – केवल उसके नाम की आराधना की जाएगी।
“सारी पृथ्वी एक लम्बा-चौड़ा मैदान बन जाएगी, लेकनि यरूशलेम एक ऊँचे स्थान पर होगा।”
“अंत में, जो लोग महामारी से बचेंगे, वे हर साल समस्त पृथ्वी के राजा, सर्वशक्तमिान प्रभु की आराधना करने के लिए यरूशलेम को जाएँगे, धन्यवाद देने के दनि को मनाने के लिए।” [1]
[1] उत्सव का यह पर्व यीशु मसीह के बलदिान की याद में और धन्यवाद के लिए होगा।
और कहीं भी कोई भी राष्ट्र जो समस्त पृथ्वी के राजा, सर्वशक्तमिान प्रभु की आराधना करने के लिए यरूशलेम में आने के लिए मना करेगा, उस राष्ट्र में कोई बारशि नहीं होगी।

“उन दनिों में, घोड़ों की घंटयिों पर भी लखिा होगा प्रभु के लएि पवति्र।”
“वास्तव में, यरूशलेम और यहूदा के हर पात्र को सर्वशक्तमिान प्रभु के लएि पवति्र कयिा जाएगा।” [1]
Holy To
The Lord
To The Lord
[1] मसीहा के तेजस्वी राज्य में, यहाँ तक कसिांसारकि चीजों को प्रभु की सेवा के लएि अलग कयिा जाएगा।
छोटे भवषि्यवक्ता जकर्याह ने आनेवाले मसीहा के बारे में बहुत कुछ बताया।
और यीशु ने फरीसयिों से बात करते समय जकर्याह के बारे में कहा।
मैं तुम्हारे लएि भवषि्यद्वक्ताओं और बुद्धमिानों को भेजूँगा... उनमें से कुछ को तुम मार डालोगे...
...ताकि तुम प्रभु के धर्मी जन हाबलि के खून से लेकर बेरेक्याह के पुत्र जकर्याह के खून तक, जनि्हें तुम्हारे द्वारा मंदरि और वेदी के बीच मार डाला गया था – उन सबके लएि तुम अपराधी ठहरोगे।

मलाकी
538-536 ई.पू. के आस-पास पचास हजार यहूदी बेबीलोन से यहूदा लौट आए।
उन्होंने 516 ई.पू. में जरुब्बाबेल की अगुवाई में नए मंदरि का नरि्माण कार्य पूरा कयिा।
458 ई.पू. में नरि्वासतिों के दूसरे समूह के साथ एज्रा वापस आया था, इसके बाद 445 ई.पू. में तीसरा समूह नहेम्याह की अगुवाई में लौटा था।
लेकनि एक ही शताब्दी के बाद यहूदी लोग धार्मकि रीत-रिवाजों में गरि गए और परमेश्वर के प्रत कठोर हो गए थे।
यरूशलेम की दीवार को बनाने के बाद, नहेम्याह फारस के राजा के पास फरि से लौट गया जैसा कउिसने वायदा कयिा था।
इस समय के दौरान, भवष्यिद्वक्ता मलाकी ने परमेश्वर और उसकी व्यवस्था से प्रेम करने के लिए वसि्तृत प्रस्थान को स्पष्ट रूप से संबोधति करना शुरू कयिा।

“प्रभु कहता है, मैंने तुमसे गहरा प्रेम किया है।
“लेकिन तुम मुँह तोड़ जवाब देते हो, ‘सच में? यह कब था?’”
और प्रभु उत्तर देता है, “मैंने तुम्हारे पिता याकूब को प्रेम करने के द्वारा तुम्हें अपना प्रेम दिखाया।”
“एक पुत्र अपने पिता का सम्मान करता है; एक नौकर अपने स्वामी का सम्मान करता है। मैं तुम्हारा पिता और स्वामी हूँ, हे याजकों, फिर भी तुम, मेरे नाम को तुच्छ समझते हो।”
“तुम पूछते हो, ‘हमने कब तेरे नाम को तुच्छ जाना?’”
“जब तुम मेरी वेदी पर दूषित बलदिान चढ़ाते हो।”
“जब तुम कहते हो, ‘परमेश्वर के लिए बहुत मूल्यवान बलिदान चढ़ाने की परेशानी नहीं उठानी!’ क्या तुम बुरा नहीं करते हो?”
“देखो तुम्हारे शासक इस तरह के बलिदान से कितना खुश हो जाते हैं!”
“तुम कहते हो, ‘प्रभु की सेवा करना बहुत कठिन है,’ और तुम उसके नियमों पर अपनी नाक-भौं सिकोड़ते हो।”
“शापित है वह मनुष्य जो एक अच्छे मेढ़े का वायदा करता है और बदले में एक बीमार मेढ़े को प्रभु के लिए बलिदान करता है।”
“सर्वशक्तिमान प्रभु कहता है, मैं एक महान राजा हूँ, “और मेरा नाम अन्यजातियों के बीच में शक्तिशाली रूप से आदर के योग्य है।”

“यदि तुम अपने बुरे मार्गों को नहीं छोड़ते हो और मेरे नाम को महिमा नहीं देते हो, तो मैं तुम पर भयानक दण्ड भेजूँगा।”
“मैं इन जानवरों के खाद तुम्हारे चेहरों पर फैलाऊँगा जो तुम मुझे बलिदान करते हो।”
“सर्वशक्तिमान प्रभु कहता है, “तुम यह जान लोगे कि यह मैं था जिसने तुम्हारे पिता लेवी को दी गई व्यवस्था की ओर वापस मुड़ने के लिए तुम्हें यह चेतावनी भेजी थी।
“उसने मुझ से प्राप्त सच्चाई लोगों को दी। वह मेरे साथ चला, एक अच्छा और धर्मी जीवन जिया, और बहुतों को उनके पाप के जीवन से लौटा लाया था।”
“एक याजक के होंठों से परमेश्वर का ज्ञान बहना चाहिए इस प्रकार से लोग परमेश्वर की व्यवस्था को सीखेंगे...”
“... और मनुष्यों को मार्गदर्शन के लिए उनके पास आना चाहिए।”
“लेकिन तुमने नहीं! तुमने परमेश्वर के मार्गों को छोड़ दिया और बहुतों ने तुम्हारे कारण पाप में ठोकर खाई है।”
“तुमने वाचा को बिगाड़ दिया है और उसे एक नक़ल बना दिया है।”

“तुम लोगों ने मूर्तपूजा करनेवाली स्त्रियों से शादी करके परमेश्वर के पवित्र मंदिर को अपवित्र कर दिया है।”
“प्रभु अपनी प्रतिज्ञा से हर उस व्यक्ति को निकाल देगा जिसने यह काम किया है!”
प्रभु परमेश्वर ने तुम्हारे द्वारा विश्वासयोग्य पत्नियों को तलाक देने में तुम्हारे विश्वासघात को देखा है - जिन साथियों को तुमने देखभाल करने और रखने का वादा किया था।
“तुम वेदी को आंसुओं से भिगा देते हो क्योंकि परमेश्वर तुम्हारे बलिदानों पर ध्यान नहीं देता है।”
“तुम चिल्लाते हो, “परमेश्वर ने हमें क्यों छोड़ दिया?”
“मैं तुम्हें बताऊँगा क्यों।”
“तुम दोनों उसकी दृष्टि में एक ही देह बन गए हो - और वह क्या चाहता है?”
“तुम्हारे मिलन से धार्मिक संतानें हों।”
“अपनी जवानी की पत्नी के साथ इमानदार रहो - क्योंकि प्रभु तलाक से घृणा करता है।”
तुमने अपनी बातों से प्रभु को उकता दिया है।
तुम पूछते हो। “हमने उसे कैसे उकता दिया है?”
यह कहकर कि बुराई अच्छी है, यह प्रभु को प्रसन्न करती है!
या यह कहकर, “परमेश्वर ने हमें दण्ड नहीं दिया है - वह चिता नहीं करता है।”

प्रभु कहता है, “मुझसे पहले मार्ग तैयार करने के लिए [1] मैं अपने दूत को भेजूँगा।
““सर्वशक्तिमान प्रभु कहता है, जसिको तुम ढूँढ़ रहे हो वह अचानक अपने मंदरि में आ जाएगा - और तुम्हें बहुत खुशी मलिगी।” [2]
[1] यूहन्ना बपतस्मिा देनेवाला मसीह के पहले आगमन से पहले का संदेशवाहक था।
[2] इसका अर्थ तुरंत नहीं है, बल्कयिह कमिसीह बनिा घोषणा के और अचानक आएगा।

“लेकनि उसके आने वाले दनि को कौन सहन कर सकता है?”
“सर्वशक्तिमान प्रभु कहता है, “मेरा दण्ड जल्द ही उन सभी के वरिुद्ध होगा जो मेरा भय नहीं मानते हैं।”
“मैं प्रभु हूँ — मैं बदलता नहीं। यही कारण है कि तुम पहले से ही मेरी दया के कारण पूरी तरह से नष्ट नहीं हुए।”
“सर्वशक्तिमान प्रभु कहता है, “हालाँकि तुमने मेरे नयिमों को तोड़ा है, अब भी तुम मेरे पास लौट सकते हो। आओ और मैं तुम्हें क्षमा कर दूँगा।”
“क्या एक मनुष्य परमेश्वर को लूट सकता है? कदापि नहीं! और फरि भी तुमने मुझे लूटा है।”
“तुम पूछते हो, “हमने तुझे कब लूटा?”
तुम ने मुझे दशमांश और भेंटों में लूटा है, और इसलिए तुम्हारा पूरा देश एक श्राप के अधीन है।

प्रभु कहता है, "'सारे दशमांश को भंडार गृह में लाओ, ताकि मेरे मंदरि में भोजन-वस्तु हो।'"
"'तब मैं तुम्हारे लिए स्वर्ग की खड़िकियाँ खोलूँगा और अपरम्पार आशीषों की वर्षा करूँगा ताकि तुम्हारे पास इसे लेने के लिए पर्याप्त जगह न बचे!"
"ऐसा करके! तुम मुझे परखो!"
"तुमने कहा, 'परमेश्वर की आराधना करना और उसकी आज्ञा मानना मूर्खता है।'"
"तुम कहते हो, 'जो लोग बुराई करते हैं वे समृद्ध होंगे।'"
फरि जो लोग प्रभु से डरते और उससे प्यार करते थे, उन्हें उसकी स्मरण करने की पुस्तक में दर्ज कयिा गया।
"प्रभु सर्वशक्तमिान कहता है, "वे मेरे होंगे। "तुम परमेश्वर की सेवा करने वालों और सेवा न करने वालों के व्यवहार के बीच अंतर देखोगे।"

मलाकी 3:10-18

“अब देखना,” सर्वशक्तिमान प्रभु ने घोषणा की है, “एक जलते हुए भट्टे की तरह, न्याय का दिन आ रहा है।”
“घमंडी और दुष्ट को पुआल की तरह जलाया जाएगा; एक पेड़ की तरह, जड़-मूल सहित— भस्म हो जाएँगे।”
“लेकिन तुम्हारे लिए जो मेरे नाम का भय मानते है, धर्म का सूर्य उगेगा उसके पंखों में रोगों को दूर करने की क्षमता होगी।”
“और तुम स्वतंत्र हो जाओगे, बछड़ों की तरह खुशी के साथ छलांग लगाओगे।”
“सर्वशक्तिमान प्रभु कहता है, तुम दुष्टों को पैरों के तले राख की तरह रौंदोगे।”

मलाकी 4:1-3

होरेब पर्वत पर, मेरे दास, मूसा के द्वारा,
सारे इस्राएल को दी गई व्यवस्था का पालन करना स्मरण रखो।
‘“देखो, परमेश्वर के बड़े और न्याय के भयंकर दिन के आने से पहले
मैं तुम्हारे लिए एलिय्याह की तरह एक और भविष्यद्वक्ता को भेजूँगा।”
‘“उसका उपदेश पिता और बच्चों
को फिर से एक साथ इकट्ठा करेगा...’”
‘“...क्योंकि वे जान जाएँगे कि यदि वे पश्चाताप
नहीं करेंगे, तो मैं आऊँगा और पूरी तरह से उनके देश
को नष्ट कर दूँगा।”

मलाकी 4:4-6

पुराने और नए नियम के बीच की अवधि
400 से अधिक वर्षों ने नहेम्याह की अंतिम घटनाओं को श्रेणीबद्ध किया गया और मलाकी की अंतिम भविष्यद्वाणी पुराने नियम में दर्ज की गई c.425 ई.पू. नए नियम की शुरुआत c.6-4 ई.पू. के आसपास हुई।
क्योंकि इस दौरान कोई भी भविष्यद्वाणी के वचन नहीं हुए, इसलिए इस समय को कभी-कभी “चार सौ शांत वर्ष” कहा जाता है।
पुराने नियम के धर्मसिद्धांतों के बंद होने के लगभग 100 वर्षों के बाद, यहूदिया सीरिया के राज्यपाल के अधीन फ़ारसी क्षेत्र बना रहा, जिसमें महायाजकों के साथ नागरिक प्राधिकरण का एक उपाय किया गया था।
लेकिन जब सिकंदर महान ने फारसी राजा दारा III को तीन निर्णायक सैन्य लड़ाई में हराया था, तो उसने फारसी साम्राज्य पर नियंत्रण प्राप्त किया, जिसमें यहूदिया भी शामिल था।

हमें नहीं पता कयिह नया वजिता हमारे लएि क्या करेगा।
मेरे प्रार्थना करने के बाद, पछिली रात परमेश्वर ने मुझे एक स्वप्न में बताया कमिुझे इस तरह के कपड़े पहनने हैं जब हम यूनान के नए सैन्य सरदार से मलिं।
मैं झुककर यहूदयिों के परमेश्वर की प्रशंसा करता हूँ।
सेनापत?!
तुम हमारे परमेश्वर की आराधना करते हो?
नहीं, लेकनि वह सपने में मेरे पास आया और तुम्हें इस तरह के कपड़े पहने दखिाया और मैं समझ गया कमिुझे तुम्हारी तलाश करनी थी।
तो ... मैं सम्पूरण फारस पर जीत प्रापत कर लूँगा।
मंदरि में, सकिंदर ने याजक के नरि्देशानुसार एक बलदिान चढ़ाया।
हमारे अपने सुचपित्रों में भवषि्यद्वक्ता दानयि्येल ने कहा था कएिक महान यूनानी योद्धा आएगा और सम्पूरण फारस पर वजिय प्रापत करेगा।
मैं वही हूँ जसिके वषिय परमेश्वर ने पहले से बताया था।
तुम्हारे परमेश्वर के आदर में, तुम अपने परमेश्वर के नयिमों के अनुसार जयिो और अपने सब्त के वर्ष में कर से मुक्त हो सकते हो।

323 ई.पू. में सिकंदर महान की मृत्यु या तो बीमारी से या फिर जहर से हुई थी – जिसके बाद उसके सेनापतियों के बीच साम्राज्य के नियंत्रण के लिए उसके संघर्ष शुरू हो गया।
उसका साम्राज्य चार क्षेत्रों में विभाजित था, जो चार सेनापतियों द्वारा संचालित किया जाता था।
टॉलेमी सोटर मैंने यहूदिया को नियंत्रित किया और यहूदियों को कुछ धार्मिक स्वतंत्रता दी - लेकिन आर्थिक सताव के साथ।
198 ई.पू. में, एन्टिओकस III ने टॉलेमी V एपिफेनस को हराया और यहूदिया को सेलयूसिड के अधीन ले आया।
जब एन्टिओकस IV एपिफेनस ने पलिस्तीन की “यूनानी संस्कृति” का आदेश दिया, तो शुरुआती सेलयूसिड का सहन समाप्त हो गया।
उसने सब्त के दिन को पवित्र बनाए रखने, यहूदी बच्चों का खतना करने से मना किया और आदेश दिया कि तोरा की प्रतियां नष्ट कर दी जाएँ।

लेकिन जब एन्टिओकस IV एपफिनस ने यहूदी मंदिर में ज़ूयस की एक मूर्त स्थापित की और परमेश्वर की वेदी पर एक सुअर की बलि दी, तो एक वृद्ध याजक, मत्तत्याह ने हस्तक्षेप किया था।
यह ईश्वर की निन्दा है - कोई भी हमारे परमेश्वर की तरह नहीं है!
मत्तत्याह के पाँच बेटे थे। अपने बेटे यहूदा मैकबेबस के साथ ("द हैमर") के मुख्य अगुवे, वे और उनके अनुयायियों ने बार-बार प्रहार करने की रणनीति के साथ सेलयूसिद का मुकाबला किया।
वे हम पर हथौड़े की तरह गिरते हैं!
चौबीस वर्षों (166-142 ई.पू.) तक यहूदियों ने सेलयूसिद का मुकाबला किया।
सेलयूसिद पर बढ़ते रोम के दबाव के साथ संयुक्त, यहूदियों ने आखिरकार सीरिया से अपनी स्वतंत्रता हासिल कर ली।
हमें मंदिर को साफ करने और फिर से बनाने की जरुरत है, लेकिन हमारे पास शमूएल के दिनों के महायाजक से सिर्फ एक कटोरी तेल बचा है - और यह केवल एक दिन तक चलेगा।
अधिक तेल शुद्ध करने में आठ दिन और लगेंगे!
लेकिन निरंतर जलनेवाली ज्योति... आठ दिन और रात तक जलती रही।
और 100 वर्षों तक यहूदियों को स्वतंत्रता थी।

मत्तयि्याह के वंशजों ने महायाजक का पद संभाला -
भले ही वे सादोक की श्रृंखला से संबंधति नहीं थे जैसा
कि परमेश्वर ने निर्देश दयिा था। [1]
[1] गनिती 25:10-13
यह हेशमोनी राजवंश के रूप
में जाना जाता है और
142 ई.पू. से 63 ई.पू. तक बना रहा।
लेकनि हेशमोनीस ने यूनानी संस्कृत का पालन करना
शुरू कर दयिा - पहली बार में उनका बहुत वरिोध हुआ।
63 ई.पू. में रोम के सेनापत पोम्पी ने
यरूशलेम को जीत लयिा और यहूदा के
लोगों ने एक बार फरि खुद को एक
वदिशी वजिता के अधीन पाया।

देश में निरंतर अशांति के
चलते, रोम के लोगों ने
हेरोदेस को यहूदिया का
महाराजा बनाया।
वह एक यहूदी
धर्मपरिवर्तक था जो
जन्म से इदुमियन (एदोमी) था।
उसकी बड़ी राजनीतिक महत्वाकांक्षाएँ
थीं और उसने रोम की वरिष्ठ सभा से वादा
किया था कि अगर वे उसे यहूदिया का शासक
बनाएँगे, तो वह सुनिश्चित करेगा
कि यहूदी लोग विद्रोह न करें।
हेरोदेस ने यहूदियों के लिए नया शोभायमान मंदिर का
निर्माण करने के द्वारा उपकार करने की कोशिश की,
लेकिन लोगों ने उसका तिरस्कार किया।
हेरोदेस महान ने अपने ही परिवार के सदस्यों की
और यहाँ तक कि यहूदी गुरुओं की हत्या कर दी
क्योंकि उसने 37 ई.पू. से 4 ई.पू. तक पलस्तीन
पर राज किया।
यीशु मसीह के जन्म के समय वह “यहूदियों का राजा” था।

भविष्यद्वक्ताओं द्वारा की गई भविष्यद्वाणी के
अनुसार यहूदियों का अपने देश से निष्कासन,
दो अलग-अलग निर्वासनों में पूरी हुई।
पहली बार तितर-बितर होना 722 ई.पू. में
अश्शूरियों द्वारा दस समुदायों के उत्तरी
राज्य को जीतने के साथ शुरू हुआ था। [1]
[1] II राजाओं 17:23
दूसरी बार तितर-बितर तब हुआ जब यरूशलेम 597 ई.पू., 586 ई.पू.
और 582 ई.पू. में निर्वासन के साथ बेबीलोनवासियों के हाथ गिर गया।
अधिकांश यहूदी वापस नहीं आए लेकिन फारसी साम्राज्य
में उपनिवेशकों के रूप में रहने लगे,
जिन्होंने बेबीलोनियों पर विजय प्राप्त की थी।
निर्वासितों ने पुराने नियम का अध्ययन किया,
यह विश्वास करते हुए कि निर्वासन तोरा के ज्ञान
और आज्ञाकारिता की कमी के कारण आया था।
शास्त्री तोरा के विशेषज्ञ बन गए और
यहूदी रब्बी वे शिक्षक थे जो शास्त्रों की
इस गहरी समझ के आधार पर उत्तीर्ण हुए थे।
587 ई.पू. में मंदिर के विनाश के बाद, उस दशा में स्थानीय आराधनालय
यहूदियों के लिए शिक्षा और आराधना के स्थान बन गए।
यहाँ तक कि 516 ई.पू. में जरुब्बाबेल
द्वारा मंदिर के पुनर्निर्माण के
बाद भी आराधनालय जारी रहे।

प्रवासी समुदाय के यहूदी, मुख्य रूप से यूनानी बोलते थे, और पुराने नियम को यूनानी में अनुवाद 250 ई.पू. में किया गया था।
प्रसिद्ध यहूदी व्यक्तियों के अनुसार, 72 दिनों में 72 यहूदी विद्वानों ने अनुवाद किया था। (सेप्टुआजेंट लैटिन भाषा में सत्तर को कहा जाता है।)
अलेक्जेंड्रिया में सेप्टुआजेंट का लंबे समय तक अनुवाद किया गया था।
फरीसियों का धार्मिक समुदाय "पवित्र जनों" के रूप में शुरू हुआ था जब मक्काबियों ने भूमि को शुद्ध करने की कोशिश की थी।
फिर उस समय मक्काबी यूनानी संस्कृति की ओर बढ़े, तो ये पवित्र जन उनसे ("फरीसी नाम का संभावित स्रोत") "अलग" हो गए।
फरीसियों ने व्यवस्था की ठीक और दृढ़ता से व्याख्या की और सभी यहूदियों पर अपनी समझ को अनिवार्य बनाने की मांग की।
सदूकियों ने संभवतः सादोक की याजकीय श्रंखला से अपना नाम प्राप्त किया।
ये कुलीन लोग पुराने नियम की पहली पाँच पुस्तकों में विश्वास करते थे,
वे पुनरुत्थान में भी विश्वास नहीं करते थे और खुद को मंदिर की नीति और प्रथाओं के संरक्षक के रूप में देखते थे।
इतिहास के इस मोड़ पर, परमेश्वर के सही समय में ... परमेश्वर का पुत्र आया।

"THE BIBLE EXPLAINED IN EVERY LANGUAGE."

SUPERBIBLE.TV